तकनीकी विवि का महिला प्रौद्योगिकी संस्थान कैंपस बना इसरो का नोडल सेंटर

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। राष्ट्रीय स्तर की सफलताओं के पायदान पर एक कदम और आगे बढ़ते हुए वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैंपस संस्थान महिला प्रौद्योगिकी संस्थान को भारत सरकार के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अपने स्टार्ट- 2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रदेश का नोडल केंद्र बनाया गया है। इसरो द्वारा महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षक डा. आशीष बगवाड़ी, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग को इस कार्य हेतु कोऑर्डिनेटर के रूप में नामित किया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आगामी अप्रैल एवं मई माह में स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाइव आयोजन परिसर महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून में नोडल केंद्र के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आकर्षित एवं जानकारी उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण मॉड्यूल के विशेषज्ञ द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर परिचयात्मक स्तर के विषयों के समायोजन के साथ-साथ भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यों और अनुसंधान अवसरों पर व्याख्यान का लाइव सत्र आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में प्रौद्योगिकी जैसे - इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस, रेडियो फिजिक्स, ऑप्टिकल और आप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और अन्य संबंधित विषयों की स्नातकोत्तर और अंतिम वर्ष के स्नातक इंजीनियरिंग क्षेत्र के छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण के लिए प्रतिभाग करने के पात्र होंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह द्वारा कैंपस संस्थान के निदेशक को दिए गए निर्देशों के क्रम में महिला प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा इस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र पर इसरो द्वारा अपनी सहमति देते हुए नोडल केंद्र बनाए जाने पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों तथा कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा परिसर निदेशक से महिला प्रौद्योगिकी संस्थान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध 3डी प्रिंटिंग मशीन का उपयोग महिला छात्रों सहित विश्वविद्यालय के अन्य तकनीकी छात्रों के लिए भी मार्गदर्शक बन कर उत्कृष्ट शिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं के समुचित रख-रखाव और प्रयोगात्मक कार्यों के सुचारू संचालन की अपेक्षा भी की गई है।